कन्या गुरुकुल खानपुर मे चरित्र निर्माण एवं वैदिक चेतना शिविर के तीसरे दिन का प्रारम्भ हुआ योग, प्राणायाम एवं हवन से

जन जागरण संदेश

खानपुर कलां / गोहाना, (अनिल जिंदल), 3 अगस्त। भगत फूल सिंह महिला विश्वविद्यालय खानपुर कलां स्थित कन्या गुरुकुल वरिष्ठ माध्यमिक विद्यालय, में छात्राओं के लिए चल रहे चरित्र निर्माण एवं वैदिक चेतना शिविर के तीसरे दिन का प्रारम्भ योग एवं प्राणायाम से हुआ। तीसरे दिन प्रातः कालीन सत्र

में आयोजित हवन यज्ञ में विश्वविद्यालय की कुलपति प्रोफेसर सुदेश ने आहुति देकर छात्राओं के सफल जीवन की कामना की । उन्होंने बताया कि हवन एवं यज्ञ हमारी वैदिक परंपरा का अभिन्न अंग रहा है,यह न केवल वातावरण को शुद्ध करता है, बल्कि मानसिक एवं शारीरिक शांति भी प्रदान करता है। हवन के लाभ बताते हुए उन्होंने कहा कि हवन से निकलने वाली सुगंध और सकारात्मक ऊर्जा हमारे जीवन और आसपास के वातावरण को सकारात्मक बनाती है। मुख्य वक्ता श्री संदीप श्रेयार्थी ने छात्राओं को संबोधित करते हुए कहा कि हमें अपने जीवन में सत्कर्म करने चाहिए जिससे हमारा जीवन सफल बन सके।हमें धर्म अनुसार कर्म कर जीवों के हित में कार्य करने चाहिए। कार्यक्रम की अध्यक्षता प्राचार्य श्रीमती सुमिता सिंह ने की।

हवन में आहुति डालते हुए महिला विश्वविद्यालय की कुलपति प्रो. सुदेश।

भगत फूल सिंह महिला विश्वविद्यालय में हवन यज्ञ का आयोजन

गोहाना, 3 अगस्त (रामनिवास धीमान): खानपुर कलां स्थित भगत फूल सिंह महिला विश्वविद्यालय स्थित कन्या गुरुकुल वरिष्ठ माध्यमिक विद्यालय में छात्राओं के लिए चल रहे जिसकी अध्यक्षता प्राचार्य सुमिता सिंह द्वारा की गई। तीसरे दिन प्रात: कालीन सत्र में आयोजित हवन यज्ञ में विश्वविद्यालय की कुलपति प्रोफेसर सुदेश ने आहुति देकर छात्राओं के सफल जीवन की कामना की। उन्होंने बताया कि हवन एवं यज्ञ हमारी वैदिक परंपरा का अभिन्न अंग रहा है,यह न केवल वातावरण को शुद्ध करता है, बल्कि मानसिक एवं शारीरिक शांति भी प्रदान करता है। हवन के लाभ बताते हुए उन्होंने कहा कि हवन से निकलने वाली सुगंध और सकारात्मक ऊर्जा हमारे जीवन और आसपास के वातावरण को सकारात्मक बनाती है। मुख्य वक्ता संदीप श्रेयार्थी ने छात्राओं को संबोधित करते हुए कहा कि हमें अपने जीवन में सत्कर्म करने चाहिए जिससे हमारा जीवन सफल बन सके हमें धर्म अनुसार कर्म कर जीवों के हित में कार्य करने चाहिए।

पंजाब केसरी
MON,04 AUGUST 2025
EDITION: SONIPAT KESARI, PAGE NO. 4

हमारी वैदिक परम्परा का अभिन्न अंग रहा है यज्ञ : प्रो. सुदेश

गोहाना, 3 अगस्त (अरोड़ा): बी.पी.एस. महिला विश्वविद्यालय स्थित कन्या गुरुकुल सीनियर सैकेंडरी स्कूल में छात्राओं के लिए चल रहे चरित्र निर्माण एवं वैदिक चेतना शिविर के तीसरे दिन का प्रारम्भ रविवार को योग एवं प्राणायाम से हुआ।

प्रात:कालीन सत्र में आयोजित यज्ञ में विश्वविद्यालय की वी.सी. प्रो. सुदेश ने आहुति देकर छात्राओं के भविष्य के लिए उज्ज्वल जीवन की कामना की। उन्होंने कहा कि यज्ञ हमारी वैदिक परंपरा का अभिन्न अंग रहा है। यह न केवल वातावरण को शुद्ध करता है, बल्कि मानसिक एवं शारीरिक शांति भी प्रदान करता है। उन्होंने कहा कि हवन से निकलने वाली सुगंध और सकारात्मक ऊर्जा हमारे जीवन और आसपास के वातावरण को सकारात्मक बनाती है।

वैदिक चेतना शिविर में हुए यज्ञ में आहुति डालते हुए प्रो. सुदेश। (अरोड़ा)

मुख्य वक्ता संदीप श्रेयार्थी ने छात्राओं को संबोधित करते हुए कहा कि हमें अपने जीवन में सत्कर्म करने चाहिएं, जिससे हमारा जीवन सफल बन सके हमें धर्म अनुसार कर्म कर जीवों के हित में कार्य करने चाहिए। कार्यक्रम की अध्यक्षता प्रिंसीपल सुमिता सिंह ने की।

वैदिक चेतना शिविर का किया शुभारंभ

गोहाना। गांव खानपुर कलां स्थित भगत फूल सिंह महिला विश्वविद्यालय के कन्या गुरुकुल वरिष्ठ माध्यमिक विद्यालय में चरित्र निर्माण एवं वैदिक चेतना शिविर का रविवार को योग एवं प्राणायाम से शुभारंभ किया गया। इसके बाद विश्वविद्यालय की कुलपति प्रो. सुदेश ने हवन में आहुति डालकर छात्राओं के सफल जीवन की कामना की।

कार्यक्रम की अध्यक्षता विद्यालय की प्राचार्य सुमिता सिंह ने की। कुलपति प्रो. सुदेश ने कहा कि हवन हमारी वैदिक परंपरा का अभिन्न अंग रहा है। यह न केवल वातावरण को शुद्ध करता है, अपितु मानसिक एवं शारीरिक शांति भी प्रदान करता है। हवन से निकलने वाली सुगंध व सकारात्मक ऊर्जा हमारे जीवन और आसपास के वातावरण को सकारात्मक बनाती है।

मुख्य वक्ता के रूप में संदीप श्रेयार्थी ने छात्राओं शिक्षा ग्रहण कर सच्चाई के मार्ग पर बढ़ने के लिए प्रेरित किया। उन्होंने कहा कि हमें अपने जीवन में सत्कर्म करने चाहिए, ताकि जीवन को सफल बनाया जा सके। हमें धर्म अनुसार कर्म कर जीवों के हित में कार्य करने चाहिए। संवाद